विलय पर बैंकिंग

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) से संबंधित है।

19 सितम्बर, 2018

द हिन्दू

''बैंकों का विलय करने का पहल समझ में तो आता है, लेकिन इसके लिए शेयरधारकों से परामर्श क्यों नहीं लिया गया यह समझ में नहीं आता है।''

स्वस्थ बैंकों द्वारा कमजोर बैंकों को अपने में शामिल करने की नीति बैड लोन के संकट को संभालने की रणनीति प्रतीत होती है। सोमवार को केंद्र सरकार ने तीन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों अर्थात बैंक ऑफ बड़ौदा, देना बैंक और विजया बैंक के विलय का प्रस्ताव दिया, जिसके एक संयुक्त इकाई बनने के बाद यह देश का तीसरा सबसे बड़ा ऋणदाता बैंक बन जाएगा।

विलय बैंकिंग उद्योग को मजबूत ऋण संकट पर काबू पाने के उद्देश्य से सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। देश में तीन बैंकों का आपस में विलय का यह अपनी तरह का पहला मामला होगा। इन तीनों बैंकों का कुल 14.82 लाख करोड़ रुपये का कारोबार है।

इनके विलय से देश में भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के बाद यह तीसरा बड़ा बैंक अस्तित्व में आयेगा। मूडीज ने कहा कि विलय के बाद निकाय के पास लोन के हिसाब से करीब 6.8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी होगी। इस हिसाब से यह देश का तीसरा बड़ा बैंक हो जाएगा।

हांलाकि, मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध 22 बैंकों के शेयर धड़ाम से गिरे। इतना ही नहीं, शेयर की इस गिरावट से इन बैंकों को 20300 लाख करोड़ का घाटा हुआ।

उल्लेखनीय है कि देना बैंक की हालत उक्त तीनों बैंकों में आर्थिक रूप से सबसे कमजोर स्थिति में है। हालांकि इसके शेयर में पिछले एक दशक में मंगलवार को 20 फीसदी का उछाल आ गया। बैंक ऑफ बड़ौदा व विजया बैंक में क्रमशः 19 व 5.8 फीसदी की गिरावट देखी गई। एनएसई के निफ्टी बैंक इंडेक्स (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इससे जुड़ा है) दो महीने में अपने न्यूनतम स्तर पर बंद हुआ।

देना बैंक तीन इकाइयों के बीच सबसे खराब वित्तीय स्थिति में बैंक है और वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक के तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई ढांचे के तहत है। अन्य दो बैंकों के विपरीत, इसके शेयरधारकों को अधिक वित्तीय ताकत के साथ एक नए बैंक के हिस्से होने से लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है।

इंडिया बैंकिंग कॉन्क्लेव 2018 में निजीकरण बनाम मर्जर पर भी डिबेट रखी गई है। इन दिनों इस मुद्दे पर काफी बहस चल रही है। आने वाले समय में क्या सही है? क्या निजीकरण की ओर बढ़ा जाए या मर्जर सही रास्ता है? क्या सरकार को बैंकिंग सेक्टर से बाहर आकर और इसे निजी हाथों में सौंप देना चाहिए? क्या सरकार को सारा दखल ही खत्म कर देना चाहिए? लेकिन एक तर्क यह भी है कि सरकार को योजनाएं लागू करने के लिए बैंकों की मदद चाहिए। ऐसे में अगर सरकार बैंकों से सरकार का दखल खत्म हो जाएगा तो क्या योजनाओं को लागू करना संभव हो सकेगा?

हांलाकि, वर्तमान में हुए विलय से मजबूत बैंकों को ज्यादा व्यवसायिक लाभ नहीं होगा, क्योंकि कमजोर बैंक उनके परिचालनों को रोकने का ही कार्य करेंगे।

इसके अलावा, ऐसा करने से बैड लोन संकट को हल किया जा सकेगा, इसकी भी संभावना नहीं है क्योंकि इस संकट ने पूरी तरह से बैंकिंग प्रणाली को जकड़ लिया है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि ऐसे विलय एक ऐसी इकाई को समाप्त न करें जो मूल प्री-विलय मजबूत बैंक से कमजोर है।

तथ्य यह है कि विलय समस्या का प्रबंधन करने का एक तरीका है और इसलिए पूरी तरह से छूट नहीं दी जा सकती है।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा रहा है कि भारत में बहुत से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं; यह देखते हुए, समेकन सिद्धांत एक अच्छा विचार है। लेकिन आदर्श रूप से, विलय मजबूत बैंकों के बीच होना चाहिए।

* * *

संबंधित तथ्य

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सरकार ने देना बैंक, विजया बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा का विलय किए जाने की घोषणा की है।
- यह फैसला देश की बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करने हेतु तीनों सरकारी बैंकों को मिलाकर एक करने के लिए लिया गया है।
- सरकार विलय के बाद बनने वाले बैंक को पूंजीगत सहायता देती रहेगी।
- सरकार ने इस वर्ष का बजट पेश करने के दौरान बैंकों के एकीकरण का खाका पेश किया था।

पृष्ठभूमि

- इससे पहले, पिछले साल सितंबर में SBI में 5 सहयोगी बैंकों का विलय हो गया।
- इन बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर और स्टेट बैंक ऑफ पटियाला शामिल हैं।
- इसके अलावा भारतीय महिला बैंक का भी विलय हो गया। इस विलय के बाद SBI दुनिया के टॉप-50 बैंकों की लिस्ट में शामिल हो गया। वहीं, देश में एक मेगा बैंक बना।

एकीकरण की आवश्यकता क्यों पड़ी?

- बैंकों के प्रस्तावित एकीकरण या विलय का उद्देश्य मजबूत बैंकों की स्थापना करना है। सरकार यह मानती है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिये देश में ऐसे बड़े बैंकों का होना जरूरी है, जिनकी विश्व-स्तरीय पहचान हो।
- रिजर्व बैंक का मानना है कि देश में 5-6 बड़े बैंक होने चाहिये, ताकि उन पर एनपीए जैसा अवांछित वित्तीय भार न पड़े।
- इससे बैंकों का व्यावसायिक-वाणिज्यिक प्रभाव बढ़ेगा तथा संसाधनों के एक ही स्थान पर होने वाले केन्द्रीकरण की समस्या भी उत्पन्न नहीं होगी।
- बड़े बैंकों में बाजार में होने वाली उथल-पुथल का सामना करने की सामर्थ्य अधिक होती है । वैश्विक स्तर पर होने वाले परिवर्तनों का सामना भी ये सरलता से कर सकते हैं।
- बड़े बैंक संसाधन जुटाने के मामले में भी छोटे बैंकों की तुलना में कहीं अधिक सक्षम होते हैं। ऐसे बैंक संसाधनों के लिये सरकार पर अधिक निर्भर नहीं रहते।

विलय से होने वाले लाभ

- विलय से बना नया बैंक देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक होगा।
- आर्थिक पैमानों पर यह मजबूत प्रतिस्पर्धी बैंक होगा।
- इसमें तीनों बैंकों के नेटवर्क्स एक हो जाएंगे, डिपॉजिट्स पर लागत कम होगी और सहायक बैंकों में सामंजस्य होगा।
- इससे ग्राहकों की संख्या, बाजार तक पहुंच और संचालन कौशल में वृद्धि होगी।
- विलय के बाद भी तीनों बैंकों के एंप्लॉयीज के हितों का संरक्षण किया जाएगा।
- बैंकों की ब्रैंड इक्विटी सुरक्षित रहेगी।
- तीनों बैंकों को फिनैकल सीबीएस प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा।
- नए बैंक को पूंजी दी जाएगी।

विलय से होने वाली हानि

- अल्पमत वाले शेयरधारकों के अधिकार का हनन
- शहरी केंद्रों में शाखाओं का बड़े पैमाने पर बंद होना
- कर्मचारियों की संख्या कम होगी
- सही व्यापार के लिए तालमेल बैठने में समस्या आएगी
- कार्य संस्कृति में अंतर

* * *

GS World Committed to Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **बैंकों के विलय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-**
   1. बैंक ऑफ इंडिया, देना और विजया बैंक को मिलाकर एक संयुक्त बैंक बनाया जाएगा।
   2. उपरोक्त बैंकों के विलय से भारत का सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा।
   3. उपरोक्त बैंकों के विलय से ऋण क्षेत्र में यह तीसरा सबसे बड़ी ऋणदाता बैंक होगा।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 2
   (b) केवल 3
   (c) 1 और 3
   (d) उपर्युक्त सभी

2. **बैंकों के विलय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
   1. विलय से बैंकों का बैड लोन कम हो जाएगा।
   2. विलय से बैंकों को ज्यादा लाभ होगा।
   3. विलय उपरांत बैंकों के आधार में बढ़ोत्तरी होगी।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) 1 और 2
   (c) 2 और 3
   (d) उपर्युक्त सभी

1. **Consider the following statements regarding the merger of banks-**
   1. A joint bank will be formed by the merger of Bank of India, Dena Bank and Vijaya Bank.
   2. It will become the largest bank of India after the merger of above banks.
   3. It will become the third biggest loan provider bank in the loan sector after the merger of above banks.

   Which of the above statements is/are correct?
   (a) Only 2
   (b) Only 3
   (c) 1 and 3
   (d) All of the above

2. **Consider the following statements regarding the merger of banks-**
   1. Bad Loan will become less by the merger.
   2. Bank will have more benefit after merger.
   3. Base of bank will increase after merger.

   Which of the above statements is/are correct?
   (a) Only 1
   (b) 1 and 2
   (c) 2 and 3
   (d) All of the above

नोट :
18 सितम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d), 2(b), 3(d) होगा।

Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. ''बैंकों के समेकन का सिद्धांत एक आदर्शात्मक दृष्टिकोण पर आधारित प्रतीत होता है।'' आप इस तर्क से कहाँ तक सहमत है? (250 शब्द)

"The theory of integration of banks seems to be based on the idealistic point of view." To what extent do you agree with this statement? (250 Words)